नई सड़क और मैस्टिक डामर के सैंपल फेल होने के बावजूद भी दोषी फर्म और अफसरों पर कार्रवाई नहीं

पुलिस कमिश्नरेट के सामने अजमेर रोड पर बनाई गई डामर सड़क और सोडाला में मैस्टिक फ्लोरिंग की पिछले दिनों जे.डी.ए. की गुणवत्ता प्रकोष्ठ ने की थी जांच

-कार्यालय संवाददाता-

जयपुर । पुलिस कमिश्नरेट के सामने अजमेर रोड पर जे.डी.ए. के जोन-7 द्वारा बनाई गई डामर सड़क और सोडाला में मैस्टिक डामर फ्लोरिंग के सैंपल फेल होने के बावजूद दोषी फर्म और लापरवाह इंजीनियर्स पर कार्रवाई करने के बजाय जयपुर विकास प्राधिकरण प्रशासन चुप्पी साधे बैठा है।

जे.डी.ए. आयुक्त आनंदी ने कार्यभार संभालते ही इंजीनियर्स को चेतावनी तो दी थी, लेकिन सख्ती के अभाव में सड़क निर्माता ठेकेदारों और इंजीनियर्स में उनका भी डर खत्म हो गया है। इसका ताजा उदाहरण यह है कि, अजमेर रोड और सोडाला में डामर और मैस्टिक के सैम्पल फेल होने के बावजूद भी इंजीनियर्स ने लीपापोती कर दी है और अब घटिया काम करने वाली फर्म को पूरा भुगतान करने की तैयारियां चल रही हैं। जबक यहां काम भी अभी तक पूरा नहीं हुआ है।

ज्ञात रहे कि पुलिस कमिश्नरेट के सामने अजमेर रोड से एलीवेटेड रोड तक नई बिछाई गई डामर सड़क और सोडाला में नई सड़क पर बिछाई गई मैस्टिक डामर के सैम्पल गुणवत्ता जांच में फेल हो गए थे। इन दोनों जगहों पर सैम्पल में न तो सड़क पर डामर की मोटाई सही मिली और न ही बिछाई गई बिटुमिन में डामर की मात्रा सही मिली।

सूत्रों की मानें तो जयपुर विकास प्राधिकरण के जोन 7 के अधिशाषी अभियंता ने सड़क निर्माण का यह कार्य 2 वर्ष पुराने वर्क ऑर्डर पर कराया था।

हालांकि यह सड़क अच्छी-खासी स्थिति में थी, लेकिन इस पर बारिश के दौरान कुछ-कुछ जगहों पर खड्ढ़ों पहले तो घटिया पेचवर्क कराए गए और जब पेचवर्क बिखरने लगे तो सड़क टूटी हुई बताकर उस पर डामर की लेयर बिछा दी गई। डामर भी इतनी खराब थी कि सड़क पर बिछाते ही बिखर रही थी। साथ ही सड़क पर डामर की मात्रा भी कम थी। यह काम आरएम कंस्ट्रक्शन कंपनी को मिला था जिसने यह काम लटाला कंस्ट्रक्शन को सबलेट कर दिया था। मजेदार बात यह है कि जिस वर्क ऑर्डर पर इंजीनियर्स ने काम कराया, वह दो साल पहले का था, जिसकी समय सीमा भी खत्म हो चुकी थी।

जे.डी.ए. के जोन-7 द्वारा अजमेर रोड पर पुलिस कमिश्नरेट के सामने डामर सड़क तथा सोडाला में मैस्टिक डामर फ्लोरिंग का कार्य किया गया था।

- **सैंपल फेल होने की रिपोर्ट उच्चाधिकारियों के पास पहुंचने के बावजूद भी जे.डी.ए. प्रशासन मूकदर्शक बना बैठा, इससे ठेकेदार और इंजीनियर्स को मिल रही धांधली की शह**
- **चर्चाएं है कि अब जोन के इंजीनियर्स घटिया सड़क बनाने वाले ठेकेदारों को आनन-फानन में भुगतान करके मामला रफा-दफा करना चाह रहे हैं, दीपावली से पूर्व में भुगतान की तैयारी थी, लेकिन गुणवत्ता जांच में सैंपल फेल होने से मामला अटक गया**

रोक के बाद भी करवा दिया सड़क निर्माण

सूत्रों की मानें तो अजमेर रोड पर सड़क वर्ष 2014 में बनाई गई थी। इसके बाद वर्ष 2017 में फिर 6 करोड़ के काम की "ए एंड एफ" जारी करा ली थी। उस समय सड़क की स्थिति बेहतर थी। इस कारण तत्कालीन जेडीसी गौरव गोयल और मंजू राजपाल ने सड़क की बेहत हालत को देखते हुए यहां काम कराने की मंजूरी नहीं दी थी। जेडीए के इंजीनियर्स की कमेटी ने भी सड़क को अच्छी हालत में बताते हुए सिर्फ पेचवर्क कराने की सिफारिश की थी। इन सबके बाद अब जब नई जेडीसी आनंदी आई तो इंजीनियर्स ने मौका देख कर सड़क को रिनोवेट करा लिया। इसी तरह सोडाला, अजमेर रोड, क्वींस रोड तिराहे पर ट्रेफिक जंक्शन में सुधार के बहाने सड़क पर मेस्टिक वाली डामर बिछाई गई। इसकी भी गुणवत्ता खराब थी।

इसके बाद भी जोन 7 के इंजीनियर्स ने काम में लापरवाही बरती। पहले तो इन दोनों कामों का भुगतान दिवाली से पहले करने की तैयारी थी लेकिन सेम्पल रिपोर्ट सही नहीं आने के कारण मामला अटक गया।

जोन 7 के अधिशाषी अभियंता तरूण सिंघल ने व्यक्तिगत रुप से रूचि लेकर भरसक प्रयास भी किए लेकिन भुगतान नहीं करा सके। अब लीपापोती कर रिपोर्ट तैयार की जा रही है।

जांच में डामर और बिटुमिन कंक्रीट कम

जे.डी.ए. के गुणवत्ता प्रकोष्ठ ने पुलिस कमिश्नरेट के सामने अजमेर रोड से एलीवेटेड रोड तक की गुणवत्ता की जांच की थी। संबंधित एक्सईएन तरूण सिंघल को मौके पर बुलाया गया था लेकिन वह नहीं आए। इसके बाद जब इसकी जांच निजी लैब में कराई गई तो सड़क पर बिछाई गई डामर की मोटाई 20 एमएम से भी कम मिली जबकि यह मात्रा 35 से 40 प्रतिशत तक होनी चाहिए।

इसी तरह बिटुमिन कंक्रीट में डामर की मात्रा लगभग 3.5 प्रतिशत ही मिली जबकि डामर की मात्रा 5 प्रतिशत होनी चाहिए। इसी तरह सोडाला अजमेर रोड पर की गई मेस्टिक की मोटाई भी 18 प्रतिशत से भी कम मिली जबकि यह मात्रा 25 प्रतिशत होनी चाहिए।

जयपुर में 1100 किलो मिलावटी पनीर पकड़ा

- **बाजार में ढाबों और रेस्टोरेंट में 190 रुपए प्रति किलोग्राम के भाव से बेचते थे आरोपी**

जयपुर । राजधानी जयपुर में स्वास्थ्य विभाग की टीम ने मंगलवार को कार्रवाई करते हुए 1100 किलो मिलावटी पनीर पकड़ा गया है। जो बाजार में ढाबों और रेस्टोरेंट में 190 रुपए प्रति किलोग्राम की दर से सप्लाई किया जाना था।

जयपुर सीएमएचओ डॉ. विजय सिंह फौजदार ने बताया कि फूड सेफ्टी डिपार्टमेंट की सेंट्रल टीम और जयपुर सीएमएचओ की टीम ने पहली कार्रवाई दिल्ली बाइपास स्थित मनोहरपुरा पर की गई,जबकि दूसरी कार्रवाई झोटवाड़ा स्थित एक गोदाम पर की गई। दोनों जगह मिले 1100 किलो पनीर को नष्ट करवाया गया।

एडिशनल कमिश्नर पंकज ओझा ने बताया कि झोटवाड़ा स्थित शिवाजी नगर में मेसर्स सिफा मावा पनीर भंडार का गोदाम है। यहां तैयार पनीर और मावा बाजार में सप्लाई किया जाता है। सेंट्रल टीम ने छापा मारा तो पनीर का बड़ा स्टॉक रखा था। इसमें से रेंडम सैंपल लिए और पनीर की जांच की। प्रथम दृश्यता पनीर खराब क्वालिटी का दिख रहा था। तोड़ने के दौरान रबर की तरह खिंच रहा था। इसके अलावा पनीर में अजीब महक आ रही थी।

इस आधार पर टीम ने गोदाम में रखा करीब 350 किलोग्राम खराब पनीर मौके पर नष्ट करवाया। ये पनीर बाजार में 190 रुपए किलोग्राम के हिसाब से बेचा जाता है। जो शहर के अलग-अलग ढाबों पर सप्लाई होता है। वहीं चंदवास अलवर में 750 किलोग्राम नकली पनीर बनाकर जयपुर के विभिन्न क्षेत्रों में बेचने की तैयारी थी। सूचना पर आज स्थानीय पुलिस की मदद से दिल्ली बाइपास पर मनोहरपुरा पर पकड़ा। पनीर के सैंपल लेकर 750 किलोग्राम पनीर नष्ट करवाया।

जयपुर सीएमएचओ डॉ. विजय सिंह फौजदार ने बताया कि अगले सप्ताह से शादी-समारोह का सीजन शुरू हो रहा है। इस दौरान पनीर की मांग बढ़कर डबल हो जाती है। इसकी पूर्ति करने के लिए मिलावटी पनीर बनाकर बाजार में बेचा जाता है। अलवर के एरिया से सबसे ज्यादा पनीर बनकर जयपुर आता है और यहां के बाजारों में बेचा जाता है।

सार-समाचार

रतन टाटा का जीवंत तैल चित्र बनाया

जयपुर । वरिष्ठ चित्रकार चंद्रप्रकाश गुप्ता (देवदास आर्ट्स) राष्ट्र नायकों के लिए हमेशा तत्पर रहते हैं। इसी क्रम में चित्रकार गुप्ता ने मालार्पण में उद्योगपति रतन नवल टाटा का जीवंत तैल चित्र बनाकर अपनी कूँची से श्रद्धासुमन अर्पित किए। यहाँ 40 मिनट तक लाइव पोट्रेट पर निगाहें रतन नवल टाटा के जीवंत स्वरूप को चित्रकार गुप्ता की कूँची के माध्यम से एकटक निहारती रहीं। इस अवसर पर समाजसेवी सुधीर माथुर, कवि रोहित कृष्ण नंदन,माही,संदेश,माला व अन्य गणमान्य जन उपस्थित रहे । उल्लेखनीय है कि चित्रकार गुप्ता पिछले 25 वर्षों से निरंतर शहीद के गांव-ढाणी पहुंचकर उनके परिजनों को तैलचित्र भेंट करते हैं, इसी क्रम में राष्ट्र को समर्पित व्यक्तित्व रतन टाटा के लिए भी यह विनम्र श्रद्धांजलि है ।

'संभव' टाइटल से नया एलबम रिलीज

जयपुर। हाल में जयपुर की सिंगर सरिता राव व नीदरलैंड के ड्रमिस्ट ओटो दी जोंग का संभव टाइटल से नया एलबम रिलीज हुआ है। जयपुर जंक्शन बैंड ने नीदरलैंड में ही इस एलबम की रिकॉर्डिंग की है। गौरतलब है कि यह बैंड जयपुर की सिंगर सरिता राव व नीदरलैंड के ड्रमिस्ट ओटो दी जोंग ने मिलकर बनाया है। यह बैंड खासतौर से राजस्थान की सांस्कृतिक मूल्यों से सराबोर पारंपरिक संगीत और यूरोप के स्वतंत्र रॉक म्यूजिक फ्यूजन की मेलॉडी से देश-दुनिया के दानिशमंद श्रोताओं एक नया अनुभव करा रहे हैं। इस एलबम में तबला और सिंथेसाइजर जैसे साज का मिश्रण बड़ी ही खूबसूरती से किया है जो दिलों को लुभाता है। एलबम के प्रोड्यूसर फनकार ऑटो दी जोंग है। वहीं सिंगर सरिता राव ने गीतों को लिखने के साथ- साथ अपनी सुरीली आवाज से इन्हें संवारा है। सिंथेसाइज़र पर एरविन तुइजल, गिटार पर साहिल बहल और तबले पर इमरान खान ने सुर, लय और ताल का कर्णप्रिए ताना बाना बुना है। गानों का इंग्लिश ट्रांसलेशन दिल्ली की तृप्ति अग्रवाल ने किया है। साल 2019 में बना यह जयपुर जंक्शन बैंड अपने करिश्माई संगीत से दुनियाभर में लोकप्रियता हासिल कर रहा है।

आर.सी.डी.एफ. के तीन कर्मचारी निलंबित

जयपुर (कासं)। राजस्थान कोऑपरेटिव डेयरी फैडरेशन लिमिटेड ने प्रबंध संचालक के आदेशानुसार भ्रष्टाचार के आरोप में तीन कार्मिकों को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया है। इस संबंध में जानकारी देते हुए पशुपालन और डेयरी मंत्री जोराराम कुमावत ने बताया कि हमारी सरकार भ्रष्टाचार के खिलाफ जीरो टॉलरेंस की नीति पर काम कर रही है। किसी भी तरह की अनियमितता या भ्रष्टाचार के खिलाफ सख्त कार्यवाही की जाएगी। इन तीनों कार्मिकों के विरुद्ध अनियमितता की शिकायत मिली थी जिससे उनके खिलाफ विभागीय जांच के आदेश दिए गए थे। उनके खिलाफ विभागीय जांच विचाराधीन होने के कारण उन्हें तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया गया है। उल्लेखनीय है कि मालाराम धानका, कनिष्ठ लेखाकार एमएफ एफएसबी बस्सी, अर्जुन लाल बुनकर, सहायक प्रबंधक संयंत्र, मोना जाट कनिष्ठ लेखाकार मेट्रो डेयरी प्लांट के विरुद्ध अनियमितता के आरोप में विभागीय जांच चल रही है। इन सभी कार्मिकों को निलंबन अवधि के दौरान नियमानुसार 50 प्रतिशत निर्वाह भत्ता देय होगा तथा निलंबन अवधि में इनका मुख्यालय आरसीडीएफ जयपुर होगा।

रिटायर्ड कर्मचारी से 15 लाख रु.ठगे

जयपुर । ज्योति नगर इलाके में एप डाउनलोड कर टास्क पूरा करने के नाम पर एक रिटायर्ड बिजली कर्मचारी से 15 लाख रुपए ठगने का मामला सामने आया है। एएसआई यमुनेश ने बताया कि विनायक अपार्टमेंट निवासी ब्रिजेंद्र सिंह सांखला ने मामला दर्ज करवाया कि उसके पास एक फोन आया और उसने कहा कि आप घर बैठे निवेश कर लाखों रुपए कमा सकते हो। इस पर उसने सोशल मीडिया ऐप मोबाइल में डाउनलोड कर लिया। इसके बाद उस पर काम शुरू कर दिया। टास्क पूरा करते करते उसने करीब 15 लाख रुपए का निवेश कर दिया। इसके बाद उसे और बड़ा टास्क करने के लिए कहा गया, लेकिन उसे रुपए नहीं लौटाए गए। शंका होने पर पीडित ने फिर निवेश नहीं किया और थाने पहुंच कर ममला दर्ज करवाया। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस ने बताया कि पीड़ित पहले से ऑनलाइन रूम बुक करवा कर अच्छा पैसा कमा रहा था। निवेश कर मोटा रुपया कमाने के लालच में आकर उसने यह राशि गवां दी।

क्रिकेट मैच पर सट्टा लगाने वाला गिरफ्तार

जयपुर । कोटखावदा पुलिस और जिला स्पेशल टीम जयपुर दक्षिण (डीएसटी) ने क्रिकेट लाइन गुरु ऐप से क्रिकेट मैच पर ऑनलाइन सट्टा लगाने वाले आरोपी पवन विजय राम निवासी कोटखावदा को पकडा है और उसके पास से चार लाख तीस हजार रूपये,तीन मोबाइल, लाखों के हिसाब-किताब के दो रजिस्टर सहित अन्य सट्टा सामान जब्त किया है। आरोपी शातिर किस्म का अपराधी है,जो क्रिकेट मैचों एवं अंकों की लॉटरी के सट्टे से प्राप्त होने वाली राशि को हवाला से लेनदेन करता है।

गोविंददेवजी के दरबार में श्याम भजनों की बही रसधार, झूमकर नाचे शहरवासी

महापौर कुसुम यादव, आयुक्त अरुण हसीजा समेत विधायक, जनप्रतिनिधि और व्यापार मंडल के पदाधिकारी भी मौजूद रहे

जयपुर (कासं)। जयपुर स्थापना दिवस की 297वीं वर्षगांठ के अवसर पर नगर निगम हैरिटेज की ओर से मंगलवार को गोविंद देव जी मंदिर प्रांगण में विशाल श्याम भजन संध्या का आयोजन किया गया। जौहरी बाजार व्यापार मंडल के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित भजन संध्या में भजन गायकों ने बाबा श्याम के भजनों की रसधार से भक्तों को भाव विभोर कर दिया। इस संबंध में महापौर कुसुम यादव ने बताया कि हैरिटेज नगर निगम की ओर से जयपुर शहर के स्थापना के अवसर पर 18 अक्टूबर से एक महीने तक लगातार आयोजन किए जा रहे है। मंगलवार को जौहरी बाजार व्यापार मंडल के संयुक्त तत्वावधान में गोविंद देवजी मंदिर के सत्संग हॉल में विशाल श्याम भजन संध्या आयोजित की गई। जिसमें विभिन्न भजन गायक मधुर स्वरों में कीर्तन की है रात.... हारा हूं बाबा.... खाटू वाले उस मोड़ पे... सेठों का सेठ बाबा श्याम....बाबा आयेंगे तेरे द्वार....जैसे श्याम भजनों से श्याम बाबा का गुणगान किया। साथ ही फाल्गुनी चंग धमाल का विशेष आयोजन भी किया गया। कार्यक्रम में विधायक बाल मुकुंद आचार्य, गोपाल शर्मा, विधायक प्रत्याशी चंद्र मोहन बड़वाड़ा, रवि नैय्यर, आयुक्त अरुण कुमार हसीजा, उपायुक्त सतर्कता पुष्पेंद्र सिंह राठौड़, व्यापार मंडल के कैलाश मित्तल सहित पार्षद और निगम अधिकारी भी मौजूद रहे। भजन संध्या में गायक मनीष गर्ग, इति वर्मा, सुमित सैनी सहित अन्य गायकों ने भजनों की प्रस्तुति दी, वहीं चंग धमाल में मनीष शर्मा, अंकुर शर्मा और प्रवीण शर्मा ने सभी श्याम भक्तों को नाचने पर मजबूर कर दिया।

जयपुर स्थापना दिवस की 297वीं वर्षगांठ के उपलक्ष्य में नगर निगम हैरिटेज की ओर से मंगलवार को गोविंद देव जी मंदिर प्रांगण में श्याम भजन संध्या आयोजित की गई।

गलताजी में पिछले 4 माह से पुजारियों को नहीं मिला वेतन

जयपुर (कासं)। उत्तर भारतीय श्री वैष्णव रामानुज संप्रदाय की पीठ गलताजी का कब्जा भले ही जिला प्रशासन ने ले लिया है, लेकिन अब यहां व्यवस्थाएं अफसरों से नहीं संभल रही है। गलताजी के मंदिरों में सेवा-पूजा करने वाले पुजारियों और अन्य कार्मिकों को पिछले 4 माह से वेतन तक नहीं मिला है, ऐसे में इनके सामने जीवनयापन करना भी मुश्किल हो गया है।

मंगलवार को वेतन नहीं मिलने से आहत होकर करीब 25-30 लोगों ने मंदिर के दरवाजे के सामने बैठकर धरना दिया और राज्य सरकार से इस प्रकरण में हस्तक्षेप कर वेतन दिलवाने की मांग की। धरने पर बैठे पुजारियों का कहना था कि वे पिछले कई सालों से गलताजी पीठ के मंदिरों में सेवा-पूजा, अर्चना, भोग, राग साफ-सफाई, गुरूकुल में अध्ययन-अध्यापन, गौ-सेवा, अतिथि सेवा, यज्ञीय सेवा जैसे काम कर रहे हैं। गत जुलाई माह से अब तक पिछले 4 माह में एक पैसा भी बतौर वेतन नहीं मिला। जिला प्रशासन के अफसरों से बात करते हैं तो वे भी दुत्कारते है। कुछ अधिकारी हमें, अज्ञात लोगों से नकद राशि दिलाकर हमें प्रभावित करना चाहते हैं, लेकिन यह हमारी नैतिकता के विरूद्ध है। कई बार जिला प्रशासन को पत्र लिखकर भी शिकायत दे दी है, लेकिन कोई सुनवाई नहीं होती। पिछले 4 माह में रक्षाबंधन, जन्माष्टमी, गणेश चतुर्थी, श्राद्ध पक्ष, नवरात्रि, दशहरा, धनतेरस, दीपावली, गोवर्धन और भाई-दूज जैसे त्यौंहार आए और चले गए, लेकिन वेतन नहीं मिलने के कारण पुजारियों और अन्य कर्मचारियों का जीवनयापन करना मुश्किल हो गया है। पैसा नहीं मिलने के कारण सभी त्यौंहार बेरंग रहे।

- **जिला प्रशासन ने गलताजी पीठ का कब्जा तो लिया लेकिन व्यवस्थाएं संभालने में फेल साबित रहा**

गलताजी मंदिर परिसर में मंगलवार को पुजारियों ने उपवास के साथ धरने पर बैठकर वेतन की मांग की।

पुजारियों का कहना है कि एक माह पूर्व भी हमने उपवास करके समाचार पत्रों के माध्यम से सरकार और जनता तक अपनी वेदना पहुंचायी थी, लेकिन इसके बावजूद भी जिला प्रशासन हठधर्मी बना बैठा रहा। मंगलवार को भी हम एक दिन का उपवास करते हुए भगवान के सानिध्य में बैठकर उनके नामों का स्मरण करते हुए अपनी पीड़ा जाहिर कर रहे हैं।

जगतपुरा में 26 बीघा बेशकीमती जमीन से जे.डी.ए. ने हटाया अवैध कब्जा-अतिक्रमण

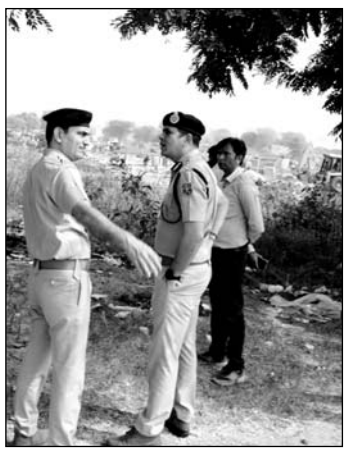

जे.डी.ए. की प्रवर्तन टीम ने मंगलवार को जगतपुरा स्थित अनुमोदित योजना सेन्ट्रल स्पाईन 'ए' ब्लॉक में अतिक्रमण हटाया। कार्रवाई के दौरान पुलिस उप महानिरीक्षक कैलाश चंद्र विश्नोई भी मौके पर पुलिस जाप्ते के साथ मौजूद रहे। फोटो-राष्ट्रदूत

जयपुर । जे.डी.ए. के प्रवर्तन दस्ते ने जगतपुरा में सेन्ट्रल स्पाईन 'ए' ब्लॉक की 26 बीघा बेशकीमती सरकारी जमीन से अवैध कब्जा और अतिक्रमण हटाया। कार्रवाई के दौरान पुलिस उप महानिरीक्षक कैलाश चंद्र विश्नोई और उनकी टीम मौके पर मौजूद रही।

विश्नोई ने बताया कि जगतपुरा 200 फीट महल रोड पर जे.डी.ए. की अनुमोदित योजना सेन्ट्रल स्पाईन 'ए' ब्लॉक में 26 बीघा बेशकीमती सरकारी जमीन पर घूमन्तू लोगों ने 125 झुग्गी-झोपड़ियां, तम्बू, तिरपाल, टीनशैड, झाड़ियां, 60 से ज्यादा थड़ी-ठेले और तीन नर्सरी लगाकर कब्जा कर लिया था। यह बेशकीमती भूमि जे.डी.ए. की थी। जैसे ही इस अवैध अतिक्रमण की जानकारी मिली तो मौके पर मौजूद लोगों को नोटिस देकर सरकारी जमीन खाली करने की चेतावनी दी, लेकिन कोई नहीं हटा। इस पर मंगलवार को जोन उपायुक्त 9 और राजस्व स्टाफ की निशानदेही पर जे.सी.बी. मशीनों और मजदूरों की मदद से इस बेशकीमती भूमि पर पुनः कब्जा लिया।

स्वास्थ्य सुविधाओं के सुदृढ़ीकरण के लिए लागू होगा रैंकिंग सिस्टम

- **इसके लिए नए सिरे से तैयार होंगे मानक, परफॉर्मेंस में पिछड़े तो होगी कार्रवाई**

जयपुर । प्रदेशभर में चिकित्सा एवं स्वास्थ्य सुविधाओं के सुदृढ़ीकरण के लिए सभी जिलों की रैंकिंग की जाएगी। इसके लिए नए सिरे से मानक तैयार किए जाएंगे। विभिन्न योजनाओं एवं स्वास्थ्य कार्यक्रमों के आधार पर निर्धारित मानकों की जिलों को पालना सुनिश्चित करनी होगी। प्रदर्शन औसत स्तर से नीचे होने पर संबंधित अधिकारी एवं कार्मिक की जिम्मेदारी तय की जाएगी।

चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग की प्रमुख शासन सचिव गायत्री राठौड़ ने मंगलवार को स्वास्थ्य भवन में आयोजित समीक्षा बैठक में इस सम्बन्ध में निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि सभी जिले स्वास्थ्य सेवाओं की प्रदायगी के स्तर को और बेहतर बनाएं। इसमें किसी भी तरह की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

राठौड़ ने कहा कि सभी जिलों में यह सुनिश्चित किया जाए कि जांच उपकरणों एवं मशीनों का समुचित उपयोग हो। मानव संसाधन की कमी से किसी मशीन का उपयोग नहीं हो पा रहा हो तो तत्काल प्रभाव से कॉन्ट्रैक्ट बेसिस पर नियमानुसार कार्मिक लगाए जाएं। साथ ही, नई मशीनों को तुरंत प्रभाव से इंस्टॉल करवाया जाना भी सुनिश्चित किया जाए। जांच मशीनों का समय-समय पर मेंटीनेंस करवाया जाए। प्रमुख शासन सचिव ने कहा कि आमजन को निःशुल्क उपचार उपलब्ध कराने की दृष्टि से मुख्यमंत्री आयुष्मान आरोग्य योजना महत्वाकांक्षी पहल है। इस योजना का प्रभावी क्रियान्वयन करते हुए अधिकाधिक लोगों को इस योजना से जोड़ें। आयुष्मान कार्ड वितरण के शत-प्रतिशत लक्ष्य हासिल किए जाएं। आयुष्मान आरोग्य शिविरों का नियत दिवस पर आवश्यक रूप से आयोजन हो। शत-प्रतिशत टीकाकरण का लक्ष्य हासिल करने के साथ ही यू विन पोर्टल पर इसका नियमित अपडेशन किया जाए। उन्होंने कहा कि प्रदेश में चिकित्सा तंत्र को मजबूत बनाने एवं उपचार में सुगमता के लिए सभी व्यक्तियों की आभा आईडी बनाई जाए। इस कार्य को प्राथमिकता के साथ पूरा किया जाए। उन्होंने लक्ष्य में पिछड़ने वाले जिलों पर कार्रवाई करने के निर्देश दिए। प्रमुख शासन सचिव ने हर विधानसभा क्षेत्र में मॉडल सीएचसी की घोषणा को मूर्तरूप देने के लिए मिशन मोड में कदम उठाने के लिए कहा।